साइंस डे पर IIT पहुंचे स्कूली स्टूडेंट्स देखे लेज़र मिराज और एलिफेंट टूथपेस्ट

लैब और हीलियम सेंटर में प्रोफेसर्स ने दिखाया केमिस्ट्री और मैथ्स का मैजिक

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

एक ही केमिकल को जब कतार में रखे हुए अलग-अलग बीकर्स में डाला जा रहा था तो वो कभी बैंगनी, कभी नीले तो कभी लाल रंग में बदल रहा था...एक फ्लास्क में थोड़ा सा केमिकल डाला तो उसमें से ढेर सारा व्हाइट फोम निकला। मैथ्स का मैजिक और सनबॉक्स में दिखे सूरज ने भी बच्चों को लुभाया।

ये नज़ारा था आईआईटी इंदौर की लैब का जहां गुरुवार को शहर के स्कूली बच्चों ने विज़िट की। नेशनल साइंस डे के मौके पर आईआईटी ने केमिस्ट्री, फिज़िक्स, मैथ्स सहित अन्य थीम पर मॉडल डेमॉन्स्ट्रेशन प्रेजेंट किए जिन्हें देखने ये स्टूडेंट्स आए थे। इवेंट का शुभारंभ डायरेक्टर प्रदीप माथुर ने किया। उन्होंने स्टूडेंट्स को साइंस और टेक्नोलॉजी में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इसमें आपके लिए कई अवसर छुपे हुए हैं। इवेंट का मकसद यंग स्टूडेंट्स को साइंस की ओर आकर्षित करना था। इस मौके पर केमेस्ट्री सिम्पोज़ियम भी ऑर्गनाइज़ किया गया।

हीलियम बिल्डिंग में प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार सिंह ने बच्चों को केमिकल इल्यूज़न दिखाए। डॉ. राजेश कुमार ने फिज़िक्स ऑफ डेली लाइफ में लाइट स्कैटरिंग और इंटरनल रिफ्लेक्शन के ज़रिए बच्चों को मरूस्थल में दिखने वाला मिराज यानि मृगतृष्णा दिखाई। एस्ट्रोनोमी और एस्ट्रोफिज़िक्स डिपार्टमेंट ने सोलर सिस्टम के साथ सन बॉक्स में बच्चों को सन इमेज दिखाई। मैथेमेटिक्स के डॉ. आशीष कुमार ने मैजिक विद नंबर में गणित के मजेदार प्रयोग बताए। संस्थान के डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री द्वारा इनहाउस सिम्पोज़ियम केम-2019 भी साइंस डे पर ऑर्गनाइज़ किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद रिसर्चर्स और साइंटिफिक कम्यूनिटी के लोगों ने यहां प्रदर्शित काम को सराहा। प्रेजेंटेशन के ज़रिए रिसर्चर्स ने कैटेलिसिस, फोटोकेमेस्ट्री, ऑर्गेनिक केमेस्ट्री और बायोमटेरियल्स के बारे में जानकारी दी।

Dainik Bhaskar (Indore), 1st March 2019, City Bhaskar, Page-18